Total Pages – 4 **B.A. RNLKWC-/HINDI/DSE-1A/22**

2022

HINDI (General)

B.A. Fifth Semester End Examination - 2022

PAPER - DSE-1A

Full Marks : 60 *Time : 3 hours*

The figures in the right-hand margin indicate marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
Illustrate the answers wherever necessary.

1. **किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **2×10=20**

   क) कबीर के अनुसार किसकी जाति नहीं पुछनी चाहिए और क्यों ?

   ख) 'कबीर' एवं 'कबीर ग्रन्थावली' पुस्तकों के रचनाकार का नाम लिखिए।

   ग) कबीर किस काल के और किस धारा के कवि हैं ?

(Turn Over)

घ) कबीर की भाषा क्या थी? आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने कबीर की भाषा के बारे मे क्या कहा हैं?

ङ) कबीरदास किस संप्रदाय में दीक्षित थे? उनके गुरु का नाम क्या था?

च) 'बाणी का डिक्टेटर' किसे किसने कहा?

छ) 'अरे इन दोऊन राह न पाई' पक्ति में 'दोऊन' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

ज) कबीर के पद कहाँ संकलित है? उनके कितने भाग हैं?

झ) कबीर दास के माता-पिता का नाम लिखिए।

ञ) कबीर के अनुसार एक साधु को कैसी बोली बोलनी चाहिए एवं क्या नहीं खोना चाहिए।

ट) कबीर के अनुसार ईश्वर प्राप्ति में बाधकतत्व कौन-कौन से हैं?

ठ) 'साखी' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

ड) कबीर दास के किन्हीं दो शिष्यों के नाम लिखिए।

ढ) कबीर के अनुसार संसार में सुखी व्यक्ति कौन है एवं दुखी कौन हैं?

ण) कबीर का जन्म एवं मृत्यु वर्ष लिखिए।

2. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए : **5×4=20**

क) कबीर की प्रासंगिकता।

ख) कबीर दास की भाषा-शैली।

ग) कबीर दास का रहस्यवाद।

घ) कबीरदास की आत्म भावना।

ङ) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

"कबीरा यह प्रेम का खाला का घर नाहिं।
सीस उतारै हाथि धरे, सो पैठे घर माँहि॥"

च) 'दुलहनी गावहु मंगलाचार
हम छरि आए हो राजा राम भरतार।
तज रत करि मैं मन रत करिहूँ, पंचतत्र बराती।
राम देव मोरे पाहुने ओए मैं जीबन मे माती।
सरीर सरोवर बेदी करिहूँ, ब्रह्मा वेद उचार।
रामदेव सांगे भाँवरी लैहूँ, धनि धनि भाग हमार।।

सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **10×2=20**

क) कबीर सच्चे अर्थों में समाज सुधारक थे। इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

ख) कबीर की उलटसियों पर प्रकाश डालिए।

ग) कबीर दास को संत काव्य परंपरा पर क्या प्रभाव पड़ा? स्पष्ट कीजिए।

घ) कबीर दास के काव्य में वर्णित दार्शनिक चिन्तन पर विचार कीजिए।